एम.एच.डी.–6
हिन्दी भाषा और साहित्य का इतिहास

एम.ए. हिन्दी का यह अनिवार्य पाठ्यक्रम हैं। ''हिन्दी भाषा और साहित्य का इतिहास'' में आपने आदिकाल से लेकर आधुनिक काल तक की विभिन्न काव्य प्रवृत्तियों, हिंदी गद्य साहित्य एवं भाषा के विकास का ऐतिहासिक दृष्टि से अध्ययन किया है।

सत्रीय कार्य का एक और उद्देश्य है– सत्रांत परीक्षा के लिए आपको तैयार करना। सत्रांत परीक्षा में जो सवाल आपसे पूछे जाएँगे उनका ढाँचा सत्रीय कार्य में पूछे गए सवालों जैसा ही होगा। इसीलिए सत्रीय कार्य को आप गंभीरता से लें। सत्रीय कार्य और सत्रांत परीक्षा में पूछे गए सवाल दो प्रकार के होंगें

कुछ प्रश्न निबंधात्मक या विवेचनात्मक होंगे जो पाठ्यक्रम में शामिल हिंदी काव्य प्रवृत्तियों, गद्य साहित्य तथा हिंदी भाषा के ऐतिहासिक विकास से संबंधित हो सकते हैं।

दूसरे प्रकार के प्रश्नों में आपको विभिन्न विषयों पर विवरणात्मक/आलोचनात्मक टिप्पणियाँ लिखनी होंगी। निबंधात्मक प्रश्नों के लिए लगभग 60 प्रतिशत तथा टिप्पणीपरक प्रश्नों के लिए 40 प्रतिशत अंक निर्धारित किए गए हैं। सत्रांत परीक्षा में निबंधात्मक प्रश्न 60 से 80 प्रतिशत के हो सकते हैं।

सत्रीय कार्य
(खंड 1 से 8 पर आधारित)

सत्रीय कार्य कोड : एम.एच.डी.–6/टी.एम.ए./2024–25
कुल अंक :100

1. आदिकालीन जैन साहित्य की विविध प्रवृत्तियों का विवेचन कीजिए। 12

2. सूफ़ी प्रेमाख्यानक काव्य परंपरा का परिचय दीजिए। 12

3. रीतिकालीन काव्य के विविध आधारों पर प्रकाश डालिए। 12

4. नयी कविता की प्रमुख प्रवृत्तियों का सोदाहरण विवेचन कीजिए। 12

5. हिन्दी निबंध के विकास पर लेख लिखिए। 12

6. निम्नलिखित विषयों पर टिप्पणी लिखिए: 8X5 = 40
   - (क) रामलीला परंपरा का प्रवर्तन
   - (ख) हिन्दी भाषा और गद्य का उदय
   - (ग) समकालीन कविता में बिम्ब और प्रतीक
   - (घ) जीवनी एवं आत्मकथा
   - (ड़) पालि साहित्य का उद्भव और विकास